>

Title: Need to provide funds to municipalities in the event of natural calamity to undertake relief work.

श्री इज्यराज सिंह (कोटा): सभापति महोदय, मैं सदन को सूचित करना चाहता हूं कि राजस्थान राज्य में स्थित मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में दो वर्ष पूर्व नगर पालिकाओं के पास प्राकृतिक आपदा में कार्य करने एवं उनमें राहत एवं बचाव कार्य के लिए फण्ड की व्यवस्था थी जो बंद कर दी गई है। जिसके कारण आगजनी, बाढ़, मकानों के नुकसान एवं सड़क निर्माण संबंधी कार्यों को करने में कई दिक्कत हो रही है और नागरिकों के सुविधा कार्यों को समय पर नहीं करवाया जा सकता है। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार से राहत पहुंचने में प्रशासनिक कारणों की वजह से समय लगता है, जिसके कारण प्राकृतिक आपदा में राहत एवं बचाव कार्य समय पर नहीं हो पाते हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी के अंतर्गत, सांगोद, केथून, लाखेरी, इन्द्रगढ़, कापरेन, केशवराय पाटन, बून्दी एवं रामगंज मण्डी में नगर पालिकाएं हैं जो प्राकृतिक आपदा की स्थति में हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती हैं, क्योंकि उनके पास आज कोई फंड की व्यवस्था नहीं है जो कि जनहित में नहीं है।

महोदय, सदन के माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि शहरों में जहां-जहां पर नगर पालिकाएं हैं, उन सभी में प्राकृतिक आपदा के समय अपने क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा में राहत एवं बचाव कार्य को करने के लिए फंड का प्रावधान किया जाए, जिससे बचाव एवं राहत कार्य को समय पर कर सकें और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा सकें।